14 अब तक बहुत बह चुका पानी

उड़ता–उड़ता कौआ आया,
लिए चोंच में पूरी रोटी।
ताजी–ताजी, चुपड़ी–चुपड़ी
गोल–गोल थी मोटी–मोटी।

देखा लोमड़ ने उसको तब
बैठ चुका था जब डाली पर ।
लोमड़ तब मीठी बोली से
बोला गरदन ऊँची कर–कर।

मेरे राजा, कौए बेटे !
मैं तुझको पहचान गया हूँ।
आता–जाता रहा इधर मैं
कई वर्ष से, नहीं नया हूँ।

मुझे पता है उस कौए के
तुम हो बेटे या हो नाती।
जिस कौए ने मुझे सुनाई
यहाँ बैठकर मधुर प्रभाती।

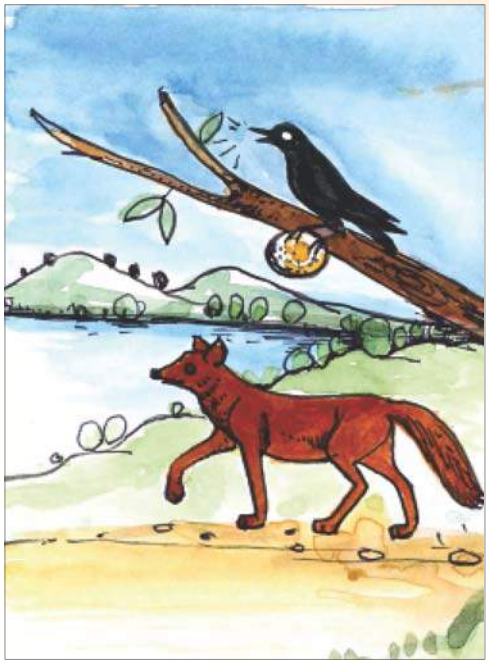

बैठा था वह इसी डाल पर
बैठे हो अब तुम जिस पर।
मेरे कहने पर गाया था
उसने अपना गाना स्वर भर।
कौए भैया, तुम भी अपना
मीठा राग सुनाओ मुझको।
अपने दादा–नाना जैसी
अपनी कला दिखाओ मुझको।

कौआ हँसा, चोंच की रोटी
पंजे में पकड़ी जब पहले।
बोला लोमड़ दादा से यों
'' कान खोलकर दादा सुन ले।
पुरखों का अनुभव पाया है
क्यों दुहराऊँ वह नादानी।
अब न तुम्हारी दाल गलेगी
अब तक बहुत बह चुका पानी।''

निर्देश :– लोमड़ और कौए के संवाद विद्यार्थियों से अभिनय सहित करवाए जाएँ। यथासंभव कौए और लोमड़ के मुखौटे लगाकर भी संवाद प्रस्तुत किए जा सकते हैं। कठपुतली के माध्यम से भी इस पाठ का शिक्षण किया जा सकता है। कौए और लोमड़ की पारम्परिक कहानी की इस कहानी से तुलना कर अनुभव के आधार पर सीखने और चतुर बनने की बात पर बल दिया जाए। अन्तिम पंक्ति ''अब तक बहुत बह चुका पानी'' का भाव इस पंक्ति द्वारा स्पष्ट करने का प्रयास करें – ''मेरी समझ न रही पुरानी।'' इस प्रकार की अन्य कविताओं और कहानियों से बालकों को अवगत कराया जाए।

अभ्यास कार्य

शब्द –अर्थ

नाती – संबंधी

प्रभाती – प्रातःकाल में गाया जाने वाला संगीत

पुरखों – पूर्वजों

नादानी – नासमझी

उच्चारण के लिए

चोंच, प्रभाती, स्वर, दुहराऊँ

सोचें और बताएँ

1. उड़ता – उड़ता कौआ आकर कहाँ पर बैठा ?
2. कौआ चोंच में क्या लेकर आया था ?
3. लोमड़ मीठी बोली में क्यों बोला ?

लिखें

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें

(दाल, बह, लोमड़, मीठा)

(क) ..... राग सुनाओ मुझको।

(ख) बोला ..... दादा से यों।

(ग) अब न तुम्हारी ..... गलेगी।

(घ) अब तक बहुत ..... चुका पानी।

2. सही अर्थ के साथ मिलान करें

(क) कान खोलकर सुनना	काम नहीं बनना।
(ख) दाल नहीं गलना	चतुराई बताना।
(ग) अपनी कला दिखाना	ध्यान से सुनना।

3. कौए के दादा–नाना ने कौनसी कला दिखाई थी ?
4. रोटी की कौन–कौन सी विशेषताएँ बताई गई है ?
5. गरदन ऊँची कर लोमड़ ने क्या कहा ?
6. कौआ कौन–सी नादानी नहीं दोहराना चाहता था ?
7. ''अब तक बहुत बह चुका पानी'' इस कथन का क्या आशय है ?

भाषा की बात

- पाठ में आए विशेषण शब्दों की सूची बनाइए–

जैसे – ताजी ....

....

....

यह भी करें –

- कौए के स्थान पर आप होते तो क्या करते?
- पुरानी कहानी का शीर्षक ''चालाक लोमड़ '' हो तो इस कहानी का शीर्षक क्या हो सकता है ?
- लोमड़ चालाक जानवर है। लोमड़ संबंधी अन्य कहानियों को जानिए।

निर्देश :– मुखौटे लगाकर अभिनय करवाएँ

लोहा गरम भले ही हो जाए पर हथौड़ा तो ठंडा रह कर ही काम करता है। –सरदार पटेल